Current Affairs Of The Day (August 4, 2019)

वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

पर्यावरण एवं प्रदूषण

ट्री एम्बुलेंस

- उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने 22 मई, 2019 को चेन्नई में 'ट्री एम्बुलेंस' पहल का उद्घाटन किया।
- यह पहल पेड़ों को बचाने के लिए शुरू की गई है। इस पहल का उद्देश्य पेड़ों को प्राथमिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना, पौधारोपण में सहायता प्रदान करना, पेड़ों को एक जगह से दूसरी क जगह ले जाकर लगाने में मदद करना और के सीड बॉल वितरण करना है।
- ट्री एम्बुलेंस की स्थापना के. अब्दुल गनी और सुरेश ने 5 की है। इसके अलावा उपराष्ट्रपति ने चेन्नई में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस (22 मई) समारोह का भी उद्घाटन किया।
- इस वर्ष इस दिवस का विषय 'हमारी जैव-विविधता, हमारा खाद्य, हमारा स्वास्थ्य (Our biodiversity, our food, our health) था।
- उल्लेखनीय है कि वैश्विक मानक 33.3 प्रतिशत की तुलना में भारत में वन क्षेत्र 21 प्रतिशत है।
- विश्व संसाधन संस्थान (WRI) द्वारा जारी नए अध्ययन के अनुसार भारत में 2001 और 2018 के मध्य 1.6 मिलियन हेक्टेयर वन क्षेत्र में कमी आई है।

ओजोन प्रदूषण

ओजोन एक हल्के नीले रंग की गैस है। यह धरातल से 10 किलोमीटर से 50 किलोमीटर की ऊँचाई के बीच पाई जाती है। ओजोन का एक अणु ऑक्सीजन के तीन परमाणुओं से मिलकर बना होता है, इसीलिए इसे O_3 भी कहते हैं। हालांकि यह अत्यधिक प्रतिक्रिया देने वाली गैस है, मगर इसकी सही मात्रा धरती के लिए रक्षा कवच का काम करती है, लेकिन यही ओजोन अगर धरती पर अपने सामान्य रूप में पाए जाने लग जाए, तो प्रदूषण का कारण भी बन जाती है, जब सूरज से आने वाली घातक पराबैंगनी (UV) विकिरण वायुमण्डल की ऑक्सीजन से टकराती है, तो इनकी आपसी रासायनिक क्रिया से ही ओजोन का निर्माण होता है। फिल्टर का काम करने वाली यह ओजोन प्रदूषण फैलाने लग जाती है।

ओजोन प्रदूषण से होने वाले प्रभाव

- हालांकि ओजोन पराबैंगनी रक्षक है, मगर जमीनी स्तर पर ओजोन को एक प्रमुख वायु प्रदूषक भी माना जाता है।
- अस्थमा और फेफड़ों सम्बन्धी बीमारियाँ इसी ओजोन की वजह से होती हैं, क्योंकि धरती पर मुक्त अवस्था में ओजोन का पाया जाना काफी हानिकारक सिद्ध हो रहा है।
- इन सबकी वजह वो ओजोन छेद है, जो धीरे-धीरे बड़ा होता जा रहा है। इतना ही नहीं हवा में ओजोन की बढ़ती मात्रा की वजह से लोगों में कई तरह की बीमारियाँ होने लग जाती हैं।
- शोध के नतीजे बताते हैं कि ओजोन की अधिकता से कई रोगों ने जन्म लिया है।

स्टेट ग्लोबल एयर 2017 की रिपोर्ट

स्टेट ग्लोबल एयर 2017 की रिपोर्ट के अनुसार 2015 में ओजोन परत क्षीण होने की वजह से फेफड़ों से सम्बन्धित बीमारियाँ बढ़ीं और 2.54 लाख लोगों की मौत हुई। ओजोन प्रदूषण की वजह से सबसे ज्यादा मौत भारत में होती हैं। यह आँकड़ा बांग्लादेश से 13 गुना और पाकिस्तान से 21 गुना ज्यादा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया की 92 प्रतिशत आबादी हानिकारक हवा में साँस लेती है। प्रदूषण समय से पहले मौत का सबसे बड़ा कारण बनकर उभरा है।

चित्र : ग्लोबल एयर 2017 रिपोर्ट

गुरुडोंगमार झील

- गुरुडोंगमार झील सिक्किम के लाचेन में लगभग 5430 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है।
- यह झील कंचनजंगा पर्वतमाला के उत्तर पूर्व में स्थित है।
- यह चीन की सीमा से केवल 5 किलोमीटर की दूरी पर है।
- इस झील से एक प्रवाह त्शो लामो झील को इस झील से जोड़ती है और फिर यहाँ से तीस्ता नदी का उद्गम होता है।
- यह झील दुनिया की सबसे ज्यादा ऊँचाई वाली झीलों में से एक है।
- यह कंचनजंघा के उत्तर पूर्व की तरफ समुद्र तल से 17,100 मीटर की ऊँचाई पर पहाड़ी मैदानों पर स्थित है।
- यह एक मीठे पानी की झील है और यह एक ठण्डे रेगिस्तान के बीच में स्थित है, जिसमें कोई वनस्पति नहीं है।
- धार्मिक रूप से यह झील बौद्ध और सिख धर्म, दोनों का पवित्र स्थल है। दूर-दूर तक फैला नीला जल और पार्श्व में बर्फ से लदी श्वेत चोटियाँ बादलों के बीच नजर आता है।
- झील के दूसरी ओर सुनहरे पत्थरों के पीछे नीला आकाश एक और खूबसूरत परिदृश्य को दर्शाते हैं। यहाँ झील के किनारे एक सर्वधर्म प्रार्थना स्थल भी है।